बी0ए0 संगीत (स्वरवाद्य) - प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

<u>उद्देश्य</u> - *इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को संगीत का प्रारम्भिक ज्ञान देना एवं उनको भारतीय शास्त्रीय संगीत के मूलभूत तत्वों से अवगत कराना है।*

क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	**संगीत परिचय**	बी0ए0एम0आई0-101	100	3
प्रथम खण्ड	***भारतीय संगीत व भारतीय संगीत शब्दावली***			
	इकाई 1 - संगीत एक परिचय। **इकाई 2 -** भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।			
	* **इकाई 3 -** परिभाषा (स्वर, श्रुति, आलाप, राग, सप्तक, ताल, लय, आवर्तन, ताली, खाली, विभाग व ठेका)।			
द्वितीय खण्ड	***भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण एवं जीवन परिचय***			
	* **इकाई** 1 - स्वर वाद्य , ताल वाद्य एवं अपने वाद्य का ज्ञान (संरचना एवं मिलाने की विधि)।			
	इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं**0** वी**0**एन**0** भातखण्डे, पं**0** वी**0** डी**0** पलुस्कर व सदारंग-अदारंग) का जीवन परिचय ।			
	इकाई 3 - संगीतज्ञों (उ0 अलीअकबर खॉ , उ0 इनायत खॉ व पं0 शिवकुमार शर्मा) का जीवन परिचय ।			
तृतीय खण्ड	***स्वरलिपि पद्धति, तललिपि पद्धति एवं तन्त्र वाद्य शब्दावली***			
	* **इकाई 1 -** भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का परिचय ; राग यमन परिचय एवं गत (मसीतखानी व रजाखानी, तोडों सहित) को लिपिबद्ध करना ; राग भैरव व बिलावल का परिचय एवं रजाखानी गत (तोडों सहित) को लिपिबद्ध करना।			
	* **इकाई 2 -** भातखण्डे तालिपि पद्धति का परिचय तथा पाठ्यक्रम की तालों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना।			
	* **इकाई 3 -** परिभाषा (मींड़ , घसीट , कृन्तन , जोड़ , आलाप , मसीतखानी गत , रजाखानी गत व तोडे)।			

राग - यमन, भैरव व बिलावल	***ताल - तीनताल, एकताल व चारताल***

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1. वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।

2. हरीश चन्द्र श्रीवास्तव, राग परिचय (सभी भाग), संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

3. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।

4. पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।